

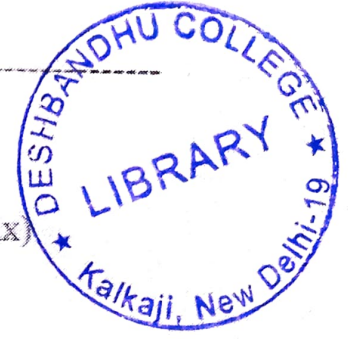
63

2019

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

This question paper contains 4 printed pages

Roll No -----



S. No. of Question Paper : 6233
Unique Paper Code : 213601
Name of the Paper : Aesthetics and Indian Theatre (Paper – xx)
Name of the Course : B.A (Hons.) Sanskrit
Semester : VI

Duration: 3 Hours

Maximum Marks: 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of question paper.)
(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी : अन्यथा आवश्यक न होने पर, प्रश्न-पत्र के उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

All questions are compulsory.
सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की व्याख्या करें :

Attempt any two of the followings. 7x2=14

(i) व्याघ्रादयो विभावा भयानकस्येव वीराद्भुतरौद्राणाम्, अश्रुपातादयोऽनुभावाः शृंगारस्येव करुण-भयानकयोः चिन्तादयो व्यभिचारिणः शृंगारस्येव वीर-करुण-भयानकानामिति पृथगनैकान्तिकत्वात् सूत्रे मिलिता निर्दिष्टाः ।

(ii) विभावानुभावास्तत् कथ्यन्ते व्यभिचारिणः ।

व्यकलः स तैर्विभावाद्यैः स्थायी भावो रसः स्मृतः ।।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो छन्दों का सोदाहरण लक्षण दीजिए :

3x2=6

Define and illustrate any two of the followings metres.

(i) वंशस्थ (ii) मन्दाक्रान्ता (iii) शिखरिणी (iv) आर्या

6. निम्नलिखित में से किन्हीं दो में गणविभाजन-पूर्वक छन्द का निर्देश कीजिए :

2x2=4

Scan the metre in any two of the followings.

(i) खगावासोपेताः सलिलमवगाढो मुनिजनः,

प्रदीप्तोऽग्निर्भाति प्रविचरति धूमो मुनिवनम् ।

परिभ्रष्टो दूराद्विरपि च संक्षिप्तकिरणो,

रथं व्यावर्त्यासौ प्रविशति शनैरस्तशिखरम् ॥

(ii) अभिमुखे नयि संहृतमीक्षितं हसितमन्यनिमित्तकृतोदयम् ॥

विनयवारितवृत्तिरतस्तया न विवृतो मदनो न च संवृतः ॥

(iii) उपेत्य नागेन्द्रतुरङ्गतीर्ण

तमारुणि ! दारुणकर्मदक्षम् ।

विकीर्णबाणोग्रतरंगभङ्गे,

महार्णभावे युधि नाशयामि ॥

(iv) पातुं न प्रथमं व्यवस्यति जलं युष्मास्वपीतेषु या,

नादत्ते प्रियमण्डनापि भवतां स्नेहेन या पल्लवम् ।

आद्ये यः कुसुमप्रसूतिसमये यस्या भवत्युत्सवः,

सेयं याति शकुन्तला पतिगृहं सर्वैरनुजायताम् ॥

7. निम्नलिखित में से किन्हीं दो कारिकाओं की व्याख्या कीजिए :

5x2=10

Explain any two of the followings.

(i) पवित्रे ब्राह्मणस्तम्भे दातव्या दक्षिणा च गौ ।

शेषाणां भोजनं कर्यं स्थापने कर्तृसंश्रयम् ॥

(ii) प्रेक्षागृहाणां सर्वेषां प्रशस्तं मध्यमं स्मृतम् ।

तत्र पाठ्यं च गेयं सुखश्राव्यतरं भवेत् ॥

(iii) तत्र स्तम्भा प्रदातव्यास्तज्जैर्मण्डपधारणे ।

धरणीधरणास्ते च शास्त्रीभिरलंकृताः ॥

(iv) कूर्मपृष्ठं न कर्तव्यं मत्स्यपृष्ठं तथैव च ।

शुद्धादर्शतलाकारं रंगशीर्षं प्रशस्यते ॥

8. निम्नलिखित में से किसी एक पर संक्षिप्त टिप्पणी करें :

Write short note on any one of the followings.

5

(i) रंगपीठ (ii) नाट्यमण्डप (iii) मत्तवारणी

9. भारत में प्रचलित हिन्दी रंगमंच के स्वरूप का विवेचन कीजिए :

Describe the features of Hindi theatre in Indian context.

10

अथवा/or

पाश्चात्य रंगमंच के स्वरूप पर प्रकाश डालिए ।

Throw a light on Western Theatre.

This Question paper contains 3 printed pages.

ROLL NO.

S. No. of Question Paper : 6234

Unique Paper Code : 213602

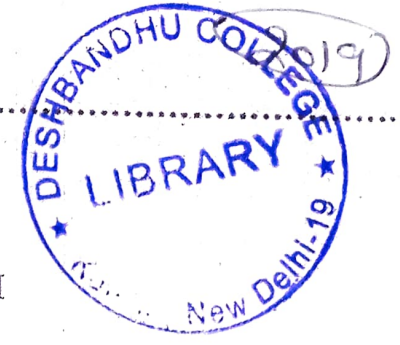
Name of the Course : B.A. (Hons.) Sanskrit

Name of the Paper : Proficiency in Sanskrit language-III

Semester : VI

Duration : 3 Hours

Maximum Marks: 75



Instructions for Candidates:

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question, answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

विद्यार्थियों के लिये निर्देश:

1. इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, प्रश्नपत्र के उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

All questions are compulsory.

सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।

1. कारक की परिभाषा देते हुए इसके भेदों को स्पष्ट कीजिए।

Define the *Karaka* and elaborate its types.

अथवा Or

अधिकरण कारक का विवेचन करते हुए सप्तमी विभक्ति संबंधी नियमों को सीदाहरण स्पष्ट कीजिए।

Discuss the अधिकरण कारक and explain with examples the rules of सप्तमी विभक्ति.

2. निम्नलिखित में से किसी एक पर टिप्पणी लिखिए-

Write short note on any one of the following:

- I. द्वितीया विभक्ति के नियम
- II. करण कारक के नियम

3. निम्नलिखित में से किन्हीं सात वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

Translate into Sanskrit any seven of the following:

- I. बालक को लड्डू अच्छा लगता है।

Child likes Laddu.

- II. वृक्ष से पत्ते गिरते हैं।

Leaves fall from the tree.

- III. पर्वत के दक्षिण में गाँव है।
The village is to the south of the mountain.
- IV. दिनेश शहर में काम करता है।
Dinesh works in the City.
- V. विद्वान् और सज्जन सत्य बोलते हैं।
Scholars and gentlemen speak the truth.
- VI. राम गेंद में खेलता है।
Ram plays with ball.
- VII. लता भोजन करता है।
Lata takes meal.
- VIII. वे सब जयपुर घूमने जाते हैं।
They all go to visit to the Jaipur.
- IX. गीता सूर्य को नमस्कार करती है।
Gita bows to Sun.
- X. गंगा का जल मीठा है।
The water of Ganga is sweet.

4. निम्नलिखित गद्यांश का संस्कृत में अनुवाद कीजिए-
Translate the following passage into Sanskrit.

8

शिक्षा, प्रत्येक व्यक्ति के व्यक्तित्व निर्माण, ज्ञान और कौशल में सुधार करती है। हमारे देश में शिक्षा को प्राथमिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा और उच्च शिक्षा के रूप में तीन श्रेणियों में विभाजित किया गया है। यह हमारे विश्लेषणात्मक कौशल, चरित्र और व्यक्तित्व को विकसित करती है। शिक्षा व्यक्ति के वर्तमान और भविष्य को बनाने में मदद करती है।

Education improves everyone's personality, knowledge and skill. Education has been divided into three categories in our country as Primary education, Secondary education and Higher education. It develops our analytical skill, character and personality. Education helps a person in nourishing his present and future life.

अथवा Or

प्रत्येक वर्ष में छः ऋतुएँ होती हैं— वसन्त, ग्रीष्म, वर्षा, शरद, हेमन्त और शिशिर। इनमें से वसन्त को ऋतुराज कहा जाता है। वसन्त में सभी वृक्ष एवं लताएँ फल-फूल से युक्त हो जाती हैं। इस ऋतु में न तो अधिक सर्दी और न ही अधिक गर्मी होती है। समशीतोष्ण वातावरण होने के कारण यह ऋतु सभी प्राणियों के लिए अनुकूल होता है। कदाचित् इसी कारण वसन्त का ऋतुराज यह नाम सार्थक प्रतीत होता है।

(2)

There are six seasons in every year, namely spring, summer, Raini season, Autumn, Pre-winter and winter. Spring is called king of all seasons. In the spring all trees and creepers become full of flowers and fruits. In this season there is neither very hot nor very cold. Due to moderate atmosphere this season is favorable to all the creatures. That is why the designation Ritu-Raj for Spring seems meaningful.

5. निम्नलिखित गद्यांश का हिन्दी अथवा अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए।

10

Translate the following passage into **Hindi** or into **English**:

भारतवर्षः ग्रामप्रधानः देशः अस्ति। अधिका जनता ग्रामेषु एव निवसति। ग्रामवासिनः जनाः ग्रामीणः इति कथ्यन्ते। ग्रामीणानां जनानां दिनचर्या शोभना शिक्षाप्रदा च भवति। ग्रामेषु जनाः प्रातः चतुर्विधे उत्तिष्ठन्ति। ते शौचं स्नानं सन्ध्याम् अन्यत् च आवश्यकं कार्यं कृत्वा प्रातरेव स्वकीयेषु कार्येषु संलग्नाः भवन्ति। ग्रामान् परितः शस्यैः पूर्णानि क्षेत्राणि भवन्ति। सर्वतः शस्यश्यामला भूमिः दृश्यते। सत्र उद्यानेषु सुन्दराणि पुष्पाणि फलानि च दृश्यन्ते। ग्रामेषु जीवनम् अति सुन्दरं भवति।

अथवा Or

जगति स्वकीयः देशः सर्वोत्तमः मन्यते। उच्यते च- जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी। स्वदेशः स्वर्गाद् अपि गुरुतरः पूजनीयः च अस्ति। जगति ये देशाः उन्नताः सन्ति, ते सर्वे एव स्वदेशं सर्वोत्तमं मन्यन्ते। ते स्वदेशस्य कृते सर्वस्वमपि त्यक्तुमुद्यताः भवन्ति। स्वदेशस्य रक्षा मनुष्यस्य सर्वोत्तमं कर्तव्यमस्ति। यदि देशः असुरक्षितः, तर्हि देशे उद्योगाः सर्वाः योजनाः च सफलाः न भविष्यन्ति। यदि देशः असुरक्षितः तर्हि केनापि प्रकारेण देशस्य उन्नतिः न सम्भवति। अतः स्वदेशस्य रक्षा सर्वेषामेव प्रधानं कर्तव्यमस्ति।

6. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए-

20

Write an essay on any one the following:

I. वेदानां महत्त्वम्

II. दण्डिनः पदलालित्यम्

III. संस्कृतभाषायाः महत्त्वम्

IV. रम्या रामायणी कथा

7. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लघु निबन्ध लिखिए-

15

Write a short essay on any one the following:

I. भ्रष्टाचारः - समस्या समाधानं च

II. मम प्रियक्रीडा

III. पर्यावरणस्य महत्त्वम्

③

This question paper contains 3 printed pages

S. No. of question paper

6422

Unique Paper Code

: 213681

Name of the Paper

: Sanskrit Literature : Text and Grammar

Name of Course

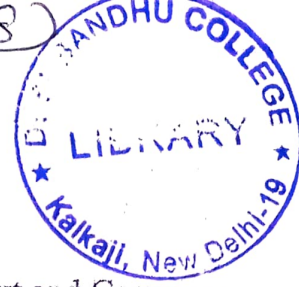
: Sanskrit (Discipline Centered Course for B.A. (Hons.))

Semester

: VI

Duration

: 3 hours



13/May/2019

I

Duration : 3 hours

Maximum marks: 75

(Write your Roll No. on top immediately on receipt of this question paper)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written in **Sanskrit or in Hindi or in English**, but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी: अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं

All questions are compulsory

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो का अनुवाद कीजिए:
Translate any two of the following:

4x2 = 8

(i) कार्पण्यदोषोपहतस्वभावः पृच्छामि त्वां धर्मसंमूढचेताः।
यच्छ्रेयः स्यान्निरिच्यतं ब्रूहि तन्मे शिष्यस्तेऽहं शाधि मां त्वां प्रपन्नम्॥

(ii) नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः।
न नैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुतः॥

(iii) सुखदुःखे समे कृत्वा लाभालाभौ जयाजयौ।
ततो युद्धाय युज्यस्व नैव पापमवाप्स्यसि॥

(iv) दुःखेष्वनुद्विग्नमना सुखेषु विगतस्पृहः।
वीतरागभयक्रोधः स्थितधीर्मुनिरुच्यते॥

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

2x6 = 12

Explain any two of the following with reference to the context:

(i) क्लैब्यं मा स्म गमः पार्थ नैतत्त्वय्युपपद्यते।
क्षुद्रं हृदयदौर्बल्यं त्यक्त्वोत्तिष्ठ परंतप॥

(ii) वसांसि जीर्णानि यथा विहाय नवानि गृह्णति नरोऽपराणि ।
तथा शरीराणि विहाय जीर्णान्यन्यानि संयाति नवानि देही ॥

(iii) बुद्धियुक्तो जहातीह उभे सुकृतदुष्कृते ।
तस्माद्योगाय युज्यस्व योगः कर्मसु कौशलम् ॥

(iv) इन्द्रियाणां हि चरतां यन्मनोऽनुविधीयते ।
तदस्य हरति प्रज्ञां वायुर्नावनिवाम्भसि ॥

3. गीता के द्वितीय अध्याय के आधार पर निष्काम कर्म को स्पष्ट कीजिए ।
Explain the "निष्काम कर्म" on the basis of IInd chapter of Gita.

10

अथवा

or

गीता के द्वितीय अध्याय का सार अपने शब्दों में लिखिए ।
Write a summary of IInd chapter of Gita in your own words.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो का अनुवाद कीजिए ।
Translate any two of the following.

2x4=8

(i) विम्रब्धं हरिणाश्चरन्त्यचकिताः देशागतप्रत्यया
वृक्षाः पुष्पफलैः समृद्धविटपाः सर्वे दयारक्षिताः ।
भूयिष्ठं कपिलानि गोकुलधनान्यक्षेत्रवत्यो दिशो
निःसंदिग्धमिदं तपोवनमयं धूमो हि बह्वाश्रयः ॥

(ii) दुःखं त्यक्तुं बद्धमूलोऽनुरागः
स्मृत्वा स्मृत्वा याति दुःखं नवत्वम् ।
यात्रा त्वेषा यद् विमुच्येह वाष्पं
प्राप्तानृण्या याति बुद्धिः प्रसादम् ॥

(iii) शय्या नावनता तथास्तृतसमा न व्याकुलप्रच्छदा
न क्लिष्टं हि शिरोपधानममलं शीर्षाभिघातोषधैः ।
रोमे दृष्टिविलोभनं जनयितुं शोभा न काचित् कृता,
प्राणी प्राप्य रुजा पुनर्न शयनं शीघ्रं स्वयं मुञ्चति ॥

(iv) सविश्रमो ह्यं भारः प्रसक्तस्तस्य तु श्रमः ।
तस्मिन् सर्वमधीनं हि यत्राधीनो नराधिपः ॥

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की समसंग व्याख्या कीजिए ।
Explain any two of the following with reference to the context.

2x6=12

(i) सुखमर्थो भवेद् दातुं सुखं प्राणाः सुखं तपः ।
सुखमन्यद् भवेद् सर्वं दुःखं न्यासस्य रक्षणम् ॥

(ii) यदि तावदयं स्वप्नो धन्यमप्रतिबोधनम् ।
अथायं विश्रमो वा स्याद्विश्रमो ह्यस्तु मे चिरम् ॥

(iii) पूर्वं त्वद्व्यभिगतं गतमेवमासीच्छ्लाघ्यं गमिष्यसि पुनर्विजयेन भर्तुः।
कालक्रमेण जगतः परिवर्तमाना चक्रारपंक्तिरिव गच्छति भाग्यपंक्तिः॥

(iv) शय्याग्रामवसुप्त मां बोधयित्वा सखे गता।
दग्धेति ब्रुवता पूर्वं वञ्चितोऽस्मि रुमण्वता॥

6. स्वप्नवासवदत्तम् नाटक के नामकरण की सार्थकता बताइए।
Justify the Name of स्वप्नवासवदत्तम्.

10

अथवा

or

स्वप्नवासवदत्तम् के आधार पर वासवदत्ता का चरित्र चित्रण कीजिए।
Sketch the character of वासवदत्ता as depicted in स्वप्नवासवदत्तम्.

7. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन का सन्धिविच्छेद कीजिए।
Disjoin Sandhi in any **three** of the following

3x2½ =
7½

नैनम्, लाभालाभौ, तदस्य, बद्धमूलोऽनुरागः, अथायम्, वञ्चितोऽस्मि

8. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन रेखांकित शब्दों में विभक्ति निर्देश कीजिए।
Name the case ending in any **three** of the following.

3x2½ =
7½

- (i) नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि।
- (ii) ततो युद्धाय युज्यस्व।
- (iii) योगः कर्मसु कौशलम्।
- (iv) वृक्षाः पुष्पफलैः समृद्धविटपाः।
- (v) कालक्रमेण जगतः परिवर्तमाना।
- (vi) यदि तावद् अयम् स्वप्नः।

(9)

2019

This question paper contains 4 printed pages]

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

S. No. of Question Paper : 8732

Unique Paper Code : 12131601

Name of the Paper : Indian Ontology and Epistemology

Name of the Course : B.A. (H) Sanskrit-CBCS

Semester : VI

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

टिप्पणी : अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Note :— Unless otherwise required in a question, answers should be written *either* in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English, but the same medium should be used throughout the paper.

Answer *All* questions.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

P.T.O.

भाग क/Section A

1. आस्तिक एवं नास्तिक दर्शन में क्या अन्तर है ? संक्षेप में स्पष्ट कीजिए। 6

Explain in brief the difference between the Orthodox and the Heterodox philosophers.

अथवा/Or

भारतीय दर्शन के सामान्य वर्गीकरण का संक्षिप्त विवरण दीजिए।
Give a brief description of general classification of Indian Philosophy.

2. कार्य कारणवाद विषयक नैयायिकों के मत का उल्लेख कीजिए। 6

Describe the doctrine of causation of Naiyayikas.

अथवा/Or

सत्कार्यवाद को संक्षेप में स्पष्ट कीजिए।

Explain in brief the doctrine of pre-existence of effect.

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : $4\frac{1}{2}+4\frac{1}{2}$

Write short notes on any *two* of the following :

- (i) विवर्तवाद (Doctrine of illusory transformation)
(ii) द्वैतवाद (Dualism)
(iii) परिणामवाद (Doctrine of real transformation)

भाग ख/Section B

4. पदार्थ कितने हैं ? प्रत्येक का संक्षिप्त विवरण दीजिए। 7
How many Padarthas are there ? Give a brief description of each.

अथवा/Or

कर्म एवं अभाव पदार्थों का विवेचन कीजिए।

Discuss the Karma and Abhava padarthas.

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की व्याख्या कीजिए : 6+6
Explain any *two* of the following :

(क) ज्ञानाधिकरणमात्मा

(ख) शब्दगुणकमाकाशम्

(ग) तत्र गन्धवती पृथ्वी।

6. किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 4+4

Write short notes on any *two* of the following :

(क) मनस्

(ख) सामान्यम्

(ग) गुण

(घ) शब्द प्रमाण।

भाग ग/Section C

7. तर्कसंग्रह के अनुसार अनुभव की परिभाषा देते हुए अनुभव के प्रकारों का संक्षेप में उल्लेख कीजिए। 7

Give definition and types of Anubhava according to Tarkasamgraha.

अथवा/Or

तर्कसंग्रह के आधार पर षड्विध सन्निकर्ष को स्पष्ट कीजिए।

Explain षड्विधसन्निकर्ष on the basis of Tarkasaṅgraha.

8. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की व्याख्या कीजिए : 6+6

Explain any *two* of the following :

(क) कार्यानियतपूर्ववृत्ति कारणम्

(ख) उपमितिकरणमुपमानम्

(ग) रूपादिचतुष्टयं पृथिव्यां पाकजमनित्यं चान्यत्रापाकजं नित्यमनित्यं च

(घ) तस्माल्लिङ्गपरामर्शोऽनुमानम्

9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 4+4

Write short notes on any *two* of the following :

(क) परामर्श (Parāmarśa)

(ख) हेत्वाभास (Hetvābhāsa)

(ग) संशय एवं विपर्यय (Saṁśaya and viparyaya)

(घ) व्याप्ति (Vyāpti)।

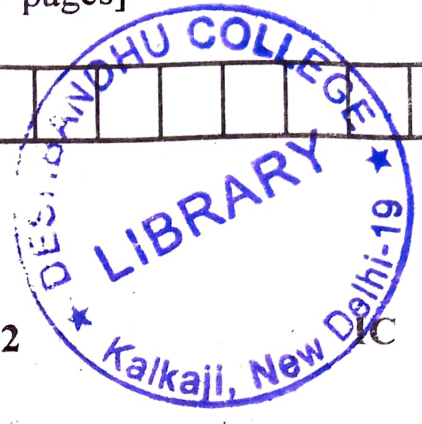
(10)

2019

This question paper contains 4 printed pages]

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--



S. No. of Question Paper : 8843

Unique Paper Code : 12137902

Name of the Paper : Art of Balanced Living

Name of the Course : B.A. (Hons.) Sanskrit CBCS-DSE

Semester : VI

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

टिप्पणी : अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Note :— Unless otherwise required in a question, answers should be written *either* in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English, but the same medium should be used throughout the paper.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Answer All questions.

P.T.O.

भाग 'क' / Section 'A'

1. बृहदारण्यकोपनिषद् के आधार पर याज्ञवल्क्य के इस कथन—'न वा अरे पत्युः कामाय पतिः प्रियो भवति' को स्पष्ट कीजिए। 11

Explain this statement—'न वा अरे पत्युः कामाय पतिः प्रियो भवति' of Yājñavalkya on the basis of Bṛhadāraṇyakopaniṣada.

अथवा/Or

बृहदारण्यकोपनिषद् के आधार पर आत्मोत्कर्ष की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए।

Describe the process of Self-realization of the basis of Bṛhadāraṇyakopaniṣada.

भाग 'ख' / Section 'B'

2. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए : 2×7=14

Explain the following :

(अ) तत्र स्थितौ यत्नोऽभ्यासः।

अथवा/Or

तत्परं पुरुषख्यातेर्गुणवैतृष्ण्यम्।

(आ) देशबन्धश्चित्तस्य धारणा।

अथवा/Or

तदेवार्थमात्रनिर्भासं स्वरूपशून्यमिव समाधिः।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 3×6=18

Write short notes on any three of the following :

(क) क्रियायोग

(ख) यम

(ग) प्राणायाम

(घ) वशीकारसंज्ञा

(ङ) चित्तवृत्तियाँ।

4. अधोलिखित की व्याख्या कीजिए : 4×6=24

Explain the following :

(क) कर्मणैव हि संसिद्धिमास्थिता जनकादयः।

लोकसङ्ग्रहमेवापि सम्पश्यन्कर्तुमर्हसि॥

अथवा/Or

यज्ञशिष्टाशिनः सन्तो मुच्यन्ते सर्वकिल्बिषैः।

भुञ्जते ते त्वघं पापा ये पचन्त्यात्मकारणात्॥

(ख) प्रशान्तमनसं ह्येनं योगिनं सुखमुत्तमम्।

उपैति शान्तरजसं ब्रह्मभूतमकल्मषम्॥

अथवा/Or

यो मां पश्यति सर्वत्र सर्वं च मयि पश्यति।

तस्याहं न प्रणश्यामि स च मे न प्रणश्यति॥

(ग) मत्तः परतरं नान्यत्किंचिदस्ति धनंजय ।
मयि सर्वमिदं प्रोतं सूत्रे मणिगणा इव ॥

अथवा/Or

पुण्यो गन्धः पृथिव्यां च तेजश्चास्मि विभावसौ ।
जीवनं सर्वभूतेषु तपश्चास्मि तपस्विषु ॥

(घ) तेषामहं समुद्धर्ता मृत्युसंसारसागरात् ।
भवामि नचिरात्पार्थ मय्यावेशितचेतसाम् ॥

अथवा/Or

सन्नियम्येन्द्रियग्रामं सर्वत्र समबुद्धयः ।
ते प्राप्नुवन्ति मामेव सर्वभूतहिते रताः ॥

भाग 'ग'/Section 'C'

5. 'सन्तुलित जीवन जीना एक कला है' गीता के 'कर्मयोग' के आधार पर स्पष्ट कीजिए। 8

Explain 'Balanced living is an art' on basis of Gitā's *Karma-Yoga*.

अथवा/Or

गीता के आधार पर सन्तुलित जीवन के लिए 'ज्ञानयोग' की महत्ता का वर्णन कीजिए।

Describe the importance of Jñāna -Yoga for balanced living on basis of Gitā.

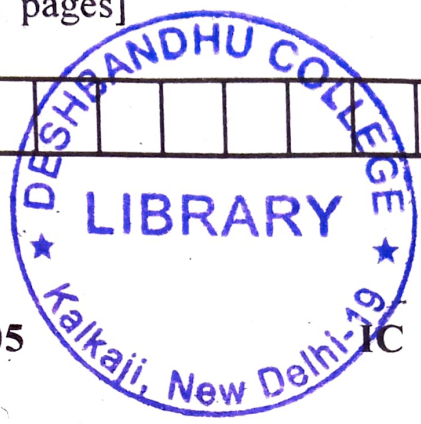
11

2019

This question paper contains 4 printed pages]

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--



S. No. of Question Paper : 8846

Unique Paper Code : 12137905

Name of the Paper : Sanskrit Linguistics

Name of the Course : B.A. (Hons.) Sanskrit-CBCS-DSE

Discipline Specific Elective

Semester : VI

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

टिप्पणी : अन्यथा आवश्यक न होने पर, प्रश्नपत्र के उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Note :— Unless otherwise required in a question, answers should be written *either* in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English, but the same medium should be used throughout the paper.

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

All questions are compulsory.

1. भाषाविज्ञान की उपादेयता का विवेचन कीजिए।

Describe the utility of linguistics.

8

अथवा/Or

- भाषाविज्ञान के प्रमुख अङ्गों का विवेचन कीजिए।

Discuss the main constituents of linguistics.

2. भाषा का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

8

Discuss the nature of language.

अथवा/Or

- भाषा की विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

Describe the characteristics of language.

3. भारोपीय भाषा परिवार का परिचय दीजिए। 12

Give an introduction to the Indo-European family of language.

अथवा/Or

- मूल भारोपीय भाषापरिवार की विशेषताएँ बताइए।

Describe the characteristics of the Indo-European language family.

4. पद-विज्ञान का सामान्य परिचय दीजिए। 12

Present a general introduction to Morphology.

अथवा/Or

- अर्थ-विज्ञान का सामान्य परिचय दीजिए।

Present a general introduction to Semantics.

5. तुलनात्मक भाषाविज्ञान के विकास में संस्कृत का योगदान बताइए। 12

Describe the contribution of Sanskrit in the development of Comparative Linguistics.

अथवा/Or

- तुलनात्मक भाषाविज्ञान के इतिहास का सामान्य परिचय दीजिए।

Present a general introduction of the history of Comparative Linguistics.

6. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 8+8+7=23

Write short notes on the following :

- (क) भाषा उत्पत्ति का दैवी सिद्धान्त

Divine theory of the origination of Language

अथवा/Or

- वाक्यों के प्रकार

Types of sentences

(ख) भारोपीय भाषाओं के केन्टुम् और शतम् वर्ग

Centum and Shatam groups of Indo European language

अथवा/Or

मूल भारोपीय भाषा से संस्कृत की विकासयात्रा

Historical development of Sanskrit from Proto-Indo-European language

(ग) संस्कृत ध्वनियों के उच्चारणस्थान

Places of articulation of Sanskrit sounds

अथवा/Or

अर्थपरिवर्तन के कारण

Causes of changes in meaning

This question paper contains 8 printed pages]

12

May/2019

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--



S. No. of Question Paper : 8921

Unique Paper Code : 12131602

Name of the Paper : Sanskrit Composition and Communication

Name of the Course : B.A. (Hons.) Sanskrit-CBCS

Semester : VI

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :— Unless otherwise required in a question, answers should be written *either* in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English, but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी : अन्यथा आवश्यक न होने पर, प्रश्नपत्र के उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

भाग 'क'/Part 'A'

1. षष्ठी विभक्ति सम्बन्धी नियमों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 4

Explain with examples the rules of षष्ठी विभक्ति.

P.T.O.

अथवा/Or

निम्नलिखित में से किन्हीं दो सूत्रों की व्याख्या कीजिए :

Explain any two of the following sutras :

सम्बोधने च, कर्मणि द्वितीया, कर्मणा यमभिप्रैति व सम्प्रदानम्,
सप्तम्यधिकरणे च

2. निम्नलिखित में से किन्हीं चार वाक्यों के रेखांकित पदों में
सूत्रनिर्देशपूर्वक विभक्ति का कारण बताइए : 4

Explain the reason of the case endings of the underlined words
in any four sentences :

(क) छात्राः कन्दुकेन क्रीडन्ति।

(ख) सूर्याय नमः।

(ग) हरिं भजति।

(घ) मोक्षे इच्छाऽस्ति।

(ङ) गां पयो दोग्धि।

(च) बालकः अश्वात् पतति।

3. कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य के नियम उदाहरण सहित स्पष्ट
कीजिए। 8

Explain with examples the rules of कर्तृवाच्य and कर्मवाच्य.

(अथवा)/Or

कृत् प्रत्यय किसे कहते हैं ? किन्हीं दो कृत् प्रत्ययों को सोदाहरण
स्पष्ट कीजिए।

What is krit pratyaya ? Explain with examples any two krit
pratyayas.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच में वाच्य परिवर्तन कीजिए : 5

Change the voice in any five of the following :

(क) रजकेन वस्त्राणि प्रक्षाल्यन्ते जलाशये।

(ख) वयं पुस्तकानि पठामः।

(ग) मम माता मम कृते भोजनं पक्ष्यति।

(घ) बलिं याचते वसुधाम्।

(ङ) सः मधु खादितवान्।

(च) रामेण गृहं गतम्।

(छ) अत्र मया एकं नूपुरमदृश्यत।

भाग 'ख'/Part 'B'

5. निम्नलिखित में से किन्हीं सात वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद
कीजिए : 7

Translate in Sanskrit any seven of the following sentences :

(क) मूर्ख शिष्य गुरु की निन्दा करता है।

The fool disciple talks ill of the teacher.

(ख) इस प्रश्न को उस छात्र से पूछो।

Ask this question to that student.

(ग) कल सबेरे मैं पिताजी के साथ दुकान गई।

I went to the shop with my father yesterday morning.

(घ) क्षत्रिय के अतिरिक्त कौन प्रजा को दुःख से बचाता है ?

Who other than a warrior saves the people from grief ?

(ङ) मित्रो ! मैं तुम दोनों को एक-एक पुस्तक देना चाहता हूँ।

Friends ! I want to give a book to both of you.

(च) हमें अपना कर्तव्य पालन करना चाहिए।

We should fulfill our duties.

(छ) चतुर मनुष्य चार बालकों को फल देता है।

The clever man gives fruits to four children.

(ज) माता पिता सदैव पूजनीय होते हैं।

Mother and father are always worshipable.

(झ) हिमालय से गंगा निकलती है।

The Ganga emanates from the Himalaya.

(ञ) तेरे द्वारा पाठ पढ़ा जाता है।

The text is read by you.

(ट) सूर्य ने किरणों से लोक को तपाया।

The sun heated the world by its rays.

6. निम्न में से किसी एक का हिन्दी अथवा अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए : 8

Translate any *one* of the following paragraphs into Hindi *or* into English :

कृषकः प्रतिदिनं प्रातःकाले उत्थाय वृषभान् आदाय क्षेत्रं गच्छति। स तत्र क्षेत्राणि कर्षति। कृष्टेषु क्षेत्रेषु बीजानि वपति। बीजेभ्यः अंकुराः जायन्ते। अंकुरेभ्यः शस्यं जायते। शस्येन एव सम्पूर्णः देशः धनवान् धान्यवान् च भवति। भारतवर्षे ग्रामीणानां जनानां मुख्यं कर्म कृषिः। ग्रामीणाः कृषकाः कठोरं परिश्रमं कुर्वन्ति।

अथवा/Or

संस्कृतवाङ्मयं विशालम्। तस्मिन् न केवलं जीवनस्य भौतिकपक्षः प्रदर्शयते अपितु आध्यात्मिकपक्षः अपि। यथा पक्षी द्वाभ्यां पक्षाभ्याम् उत्पतति तथैव मानवोऽपि उभाभ्यां पक्षाभ्यां प्रगतिं करोति। सांसारिकजीवने सुखप्राप्तिः मनुष्यस्य प्रथमा आवश्यकतास्ति। अतएव पुरुषार्थचतुष्टये धर्मादिनन्तरम् अर्थस्य स्थानम्। अर्थं विना संसारस्य किमपि कार्यं न सिध्यति। किन्तु अर्थोऽपि तावानेव उपादेयः यावती तस्य आवश्यकता।

7. दो मित्रों के मध्य होने वाले चलचित्र विषयक वार्तालाप को संस्कृत में लिखिए।

6

Write the conversation between two friends on the topic of cinema in Sanskrit.

अथवा/Or

निम्नलिखित में से किन्हीं छः को शुद्ध कीजिए :

Correct any six of the following :

- (i) त्वां किं रोचते ?
- (ii) ज्ञानस्य ऋते न मुक्तिः।
- (iii) धनेन ज्ञानं गुरुतरम्।
- (iv) सः शिरसि खल्वाटः अस्ति।
- (v) अलं विवादस्य।
- (vi) रामः पितुः सह आपणम् अगच्छत्।
- (vii) अहं पत्रं लिखति।
- (viii) माता बालकं कुध्यति।

8. उचित प्रत्ययों के प्रयोग द्वारा किन्हीं छः रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

6

Fill up the blanks of any six of the following with suitable suffixes :

- (i) त्वया सत्यं (वद्+अनीयर)।
- (ii) कृष्णस्य केकारवं (श्रु+क्त्वा) कोकिलः अपि लज्जते।
- (iii) तेन लेखः (लिख्+तव्यत्)।
- (iv) देवदत्तः धनम् (आ+दा+ल्यप्) आपणम् अगच्छत्।
- (v) (लज्ज+शानच्) वधूः आगच्छति।
- (vi) विलपन्ती सीतां दृष्ट्वा लक्ष्मणः (वि+सद्+क्त) संजातः।
- (vii) अहं (पद्+तुमुन्) इच्छामि।
- (viii) सः (हस्+शतृ) अवदत्।

भाग 'ग'/Part 'C'

9. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए : 15
- Write an essay on any one of the following topics :

- (i) वेदानां महत्त्वम्
- (ii) रम्या रामायणी कथा

(iii) भारतीया संस्कृतिः

(iv) महाकविः कालिदासः

10. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए : 12

Write an essay on any *one* of the following topics

(i) पर्यावरणसंरक्षणम्

(ii) चलचित्रानां प्रभावः

(iii) भ्रष्टाचारः—कारणं निवारणं च

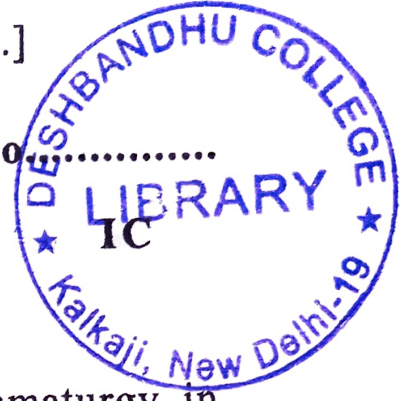
(iv) संगणकस्य महत्त्वम्।

13

May/2019

[This question paper contains 3 printed pages.]

Your Roll No.....



Sr. No. of Question Paper : 9059

Unique Paper Code : 12137903

Name of the Paper : Theatre and Dramaturgy in Sanskrit

Name of the Course : B.A. (Hons.) Sanskrit (CBCS) – DSE

Semester : VI

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Attempt any five questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
3. किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर लिखिए।

P.T.O.

1. नाट्यमण्डप के विविध प्रकारों का वर्णन कीजिए। उनमें प्रजा के लिए उपयुक्त नाट्यमण्डप की विशेषताओं को भी लिखिए। (15)

Describe the various types of theatre and write the features of theatre appropriate to people.

2. नाटक को परिभाषित कीजिए तथा उसमें प्रयुक्त विविध प्रकार के अभिनयों का वर्णन कीजिए। (15)

Define the drama and describe the various types of acting performed in it.

3. रस क्या है ? रसनिष्पत्ति के विविध कारकों का विवेचन कीजिए। (15)

What is Rasa? Explain the various factors of Rasanishpatti.

4. पञ्चसन्धि एवं और कार्यावस्थाओं का सोदाहरण विवेचन कीजिए। (15)

Illustrate पञ्चसन्धि and कार्यावस्था with examples.

5. नायिका की विविध विशेषताओं एवं उसके विविध प्रकारों का निरूपण कीजिए। (15)

Discuss the various attributes and types of Heroine.

6. विविध कालों में रंगमंच के विकास का प्रतिपादन कीजिए। (15)

Discuss the development of theatre in different time periods.

7. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन का विस्तार से वर्णन कीजिए : (15)

Explain any **three** of the following in detail:

मत्तवारिणी, जनान्तिक, पारिपार्श्विक, खुला रंगमंच, प्रासंगिक कथावस्तु